

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न शक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम
की सील



1. विषय कोड **512**

परीक्षा का विषय **संस्कृत**

2. परीक्षा का माध्यम **अंग्रेजी** परीक्षा की दिनांक **03/03/2009**

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर कोड सेट

T-1006-13

केन्द्र क्रमांक की सील
डीई स्कूल परीक्षा
212023

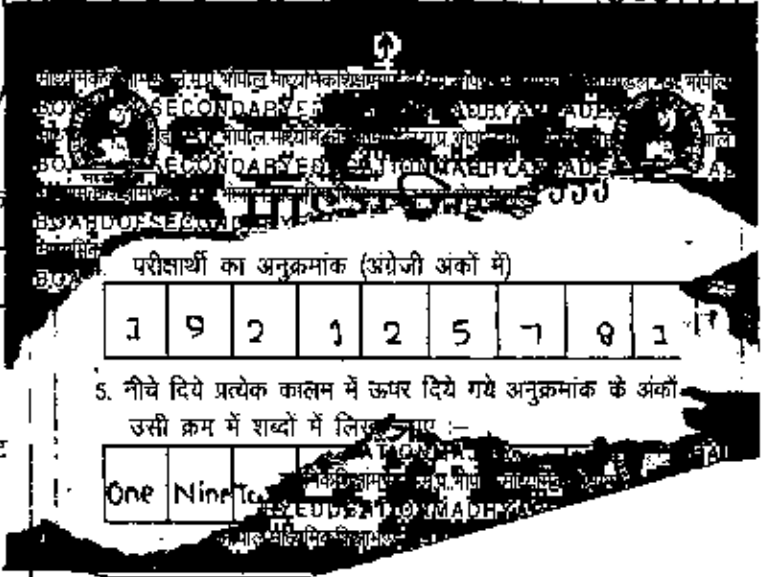
पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में अंकों में

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक **10** में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।



परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों उसी क्रम में शब्दों में लिखें जाए :-

One Nine Ten

B
S
E
M
P

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

[Signature]

नाम

Abh Bhatt

पद

SS-167

पता/संस्था

Sonra Bhandy

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर/केन्द्राध्यक्ष

[Signature]

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सही पाई गई है। होलोग्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कवर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)

[Signature]

परीक्षक क्रमांक

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न-पत्र का कोर्ड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :-

| | | | | | | | | |
|----|----|----|-----|-----|----|------|---|----|
| 1 | 8 | 2 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 | 8 |
| एक | अठ | दो | चार | तीन | नौ | पाँच | छ | आठ |
3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कवर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरे उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

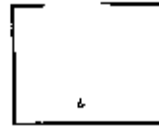
मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाएँ पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



प्रश्न-1

(i) गुण स्वर सन्धिः

(ii) सच्छानः

(iii) विसर्ग सन्धिः

(iv) वृद्धि स्वर सन्धिः

प्रश्न-2

(i) अत्ययी भाव समासः

(ii) अग्निद्वयः

(iii) हरिश्च हरश्च

प्रश्न-3

(i) साद्यु - तृतीया विभक्ति

| | | |
|----------|---------------|-----------|
| साद्युना | साद्युष्वयाम् | साद्युभिः |
|----------|---------------|-----------|

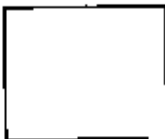
(ii) युष्मद् - षष्ठी विभक्ति

| | | |
|---------|-------------|-----------|
| युष्मत् | युष्मद्भ्यः | युष्माकम् |
|---------|-------------|-----------|

(iii) क्तिन् (पुं) - पञ्चमी विभक्ति

| | | |
|----------|------------|--------------------|
| क्त्वात् | क्त्वायाम् | क्त्वाभ्यः क्त्वाः |
|----------|------------|--------------------|

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंकों का योग

4

भाग पूरा पूरा

+

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



(v) पितृ - सप्तमी विभक्ति

वितरि | पित्रोः | पितृषु

प्रश्न-4 (i)

(a) अद्य कुशलं, तत्रास्तु ।

(स) सः शनैः-शनैः चलति ।

(ii) प्रति

(iii) अस्ति

लक्ष

प्रश्न-5

(क) लृट् लकारः

(ख) वृत्

(ग) प्रथमा अन्य पुरुषः

(घ) शकवचन

प्रश्न-6 (i) आम्

(ii) आम्

(iii) आम्

(iv) न

पृष्ठ के अंकों का योग

B
S
E
M
P

5

$$\left[\quad \right] + \left[\quad \right] = \left[\quad \right]$$

योग पृष्ठ ५-३

पृष्ठ 5 के अंक

मूल्य अंक



प्रश्न-7

(क) याचमान

(ख) पुण्ड्र्य

(ग) (ii) कुर्वन्

(iii) गतवान्

प्रश्न-8

मार्कण्डेयः - गङ्गातीरे

मित्रम् - प्रीतिरसायनम्

ह्रस्वसालस्य राजधानी - पटना नगरम्

कालगणना - श्वगोलशास्त्रम्

प्रश्न-9

(i) सत्ये

(ii) साधकं

(iii) पुरातनकालादेव

(iv) सातहीला

प्रश्न-10

(i) शम्भुधनस्य

(ii) गगानम्

(iii) समुद्रः

(iv) वृक्षाः

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंको का योग

6

$$\left[\begin{array}{c} | \\ | \\ | \end{array} \right] + \left[\begin{array}{c} | \\ | \\ | \end{array} \right] = \left[\begin{array}{c} | \\ | \\ | \end{array} \right]$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 6 के अंक कुल अंक



प्रश्न-11

(i) मैक्समूलरः संस्कृतविषये उक्तवान् यत् - "संस्कृतं विश्वस्य महन्तमा
भाषा अस्ति।"

(ii) विद्यारत्नेन हिनः सर्ववस्तुषु हिनः।

(iii) वर्षकाले प्रसरः निदाघदौघाः प्रशान्ताः भवन्ति।

प्रश्न-12

(i) अहं पश्यवः पाठशाली ममिष्यामि।

(ii) कृष्णाय मीढकं रोचते।

(iii) सैनिकः अश्वात् पतति।

(iv) त्वं जलं पाश्यासि।

(v) रामाय नमः।

B
S
E
M
P

8

$$\left[\quad \right] + \left[\quad \right] = \left[\quad \right]$$

यो-...-...

पृ-...-...



प्रश्न-14

(क)

(i) गङ्गातीरे मार्कण्डेयः वसति स्म ।

(ii) वक्रवः शिष्याः मार्कण्डेयस्य गुरुकुले आसन् ।

(iii) वासुदेवः मार्कण्डेयस्य प्रियशिष्यः आसीत् ।

(iv) गुरु शिष्यम् आह्वय अवदत् यत् " शिष्य! अद्युना भवान् सर्वविद्यापारङ्गतः अस्ति । अतः परं स्वग्रामं गन्तुम् अर्हति भवान् ।

(v) सर्वविद्यापारङ्गतः वासुदेवः अभवत् ।

(ख)

(i) सूर्यवंशस्य राजा समारः आसीत् ।

(ii) सः एकदा अश्वमेधयागं कृतवान् ।

(iii) यागस्य अश्वः यत्र-तत्र अन्वेषणं कृतवान् ।

(iv) देवेन्द्रः यागस्य विघ्नं कर्तुं मार्गं चिन्तितवान् ।

(v) इन्द्रः अश्वं गृहीत्वा पाताललोकं कपिल-मुनेः पुरतः स्थापितवान् ।

L
S
E
M
P

9

योग पूर्व पृष्ठ

+

पृष्ठ 9 के अंक

कुल अंक



प्रश्न-15

(क) गङ्गातीरे मार्कण्डेयः नाम कश्चन मुनिः वसति स्म ।

(ख) वासुदेवः तस्य प्रियशिष्यः आसीत् ।

(ग) किञ्चिद्दूरे गतः वासुदेवः कश्चित् देवालयम् अपश्यत् ।

(घ) शिष्यः अनन्तरं रामनाथपुरं प्रति प्रस्थितवान् ।

(ङ) ततः वासुदेवः रामनाथपुरं प्राप्य रामदेवस्य गृहम् अगच्छत् ।

(च) मया रामदेवस्य जीवनम् एव अनुसरणीयम् ।

प्रश्न-16

(i) विद्या-धनम्

(ii) पशुः धर्म-अधर्मयोः विचारं कर्तुं न शक्नोति ।

(iii) विद्याविहीनः मानवः अन्धः एव इति कथ्यते ।

(iv) "विद्याहीनः मानवः पशुः इव । विद्यारत्नेन हीनः सर्ववस्तुषुः हीनः" इति ऋषीणां शस्यं सारं भवति ।

B
S
E
M
P

10

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पृ

पृष्ठ 10 नं. 5



(17) विना योगे तृतीया विभक्ति भवति ।

प्रश्न-17

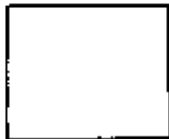
(1) शुवर्णे ✓

(2) परोपकारः ✓

प्रश्न-18

(1) गङ्गा पापं शशि तापं देन्यं कल्पतरुस्तथा ।
पापं तापं च देन्यं च ध्वन्ति सन्तो महाशयाः ॥

(2) द्वासाशास्त्रं करे यस्य दुर्जनः किं करिष्यति ।
अतृणे पतितो वह्निः स्वयमेवोपशाम्यति ॥



पृष्ठ के अंकों का योग

B
S
F
N
F

11

योग पूर्व पृष्ठ

+

[]

=

[]

पूर्व पृष्ठ

पुनः अंक



पुश्न-19

छात्रवृत्त्यर्थम् आवेदनपत्रम्

श्रीमन्ताः प्राचार्यमहोदयाः

सरोज कान्हेट उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालयः

रािकमगाढ, नगरम्, मध्यप्रदेशः

विषयः - छात्रवृत्ति प्रदानार्थम् आवेदनम् ।

महोदयः,

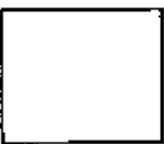
अहं सविनयं निवेदयामि यत् मम पितुः आर्थिकस्थितिः शीघ्रनीच्य
वर्तते । अहं शिक्षण-शुल्कम् अपि दातुम् असमर्थः अस्मि । अतः मम कृते
श्रीमन्ताः छात्रवृत्तिं दापयन्तु इति प्रार्थये ।

दिनाङ्कः 03/03/2009

विनयावता

यजुषः

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंक का योग



पृष्ठ-20

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

संस्कृतभाषा सर्वसु भाषासु प्राचीनतमा अस्ति । इयम् भाषा सर्वोत्तम संयुक्ता साहित्य भाषा अस्ति । इयम् व्याकरण सम्बन्धि - दौषादिरहिता परिशुद्धा परिष्कृता च अस्ति । प्राचीनकाले संस्कृत भाषा एव सर्वसाधारण जनानां भाषासीत् । सर्वेऽ जनाः संस्कृत भाषामैव वदन्ति स्म । पुरा एषा एव अस्माकं पूर्वजनानाम् आशयिणी च वाणी आसीत् । संस्कृतभाषायाः एव विश्वसर्वप्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाः अस्ति । सास- कालिदास- अश्वघोष - वाणादयः प्रकृतयो म्हाकावयो नाटकाश्च संस्कृतभाषायाः श्व । जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगः भवति ।

संस्कृत सर्वाणां भाषाणां जननी । इयम् भाषा "देववाणी" अपि कथ्यते । संस्कृत भाषा न केवलं विश्वस्य प्राचीनतमा अपितु वैज्ञानिकी भाषा अप्यस्ति ।

संस्कृतविषये -

महात्मा गांधी जीवदत् - "यत् संस्कृतम् अस्माकं भारतीयभाषाभ्यः गङ्गा नदी अस्ति । अहं चिन्तयामि यत् यदि संस्कृतगङ्गा शुष्का भवेत् तर्हि सर्वाः अपि भाषाः सारहीनाः स्युः ।

संस्कृतसमूलरः कथितवान् यत् "संस्कृतं विश्वस्य महत्तमा भाषा अस्ति"

13

यो

[ष्ट]

+

[पृ]

अंक

=

[]

।



प्रथमः राष्ट्रपतिः डॉ. राजेन्द्रप्रसादः "संस्कृतभाषित्यं न केवलं भारतस्य कृते
अपितु मानवजातेः कृते अमूल्यधनम्
अस्ति।"

अद्युनाऽपि शङ्काकस्य कृते संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति। संस्कृत
भाषा भारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति, राष्ट्रस्य ऐक्यं च साधयति। भारतीय
गौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारश्च सर्वैरेव कर्तव्यः। अतः उच्यते
"संस्कृतिः संस्कृताश्रिता।"

B
S
E
M
P



पृष्ठ के अंको का योग

14

$$\square + \square = \square$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 14 के अंक कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

15

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 15 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

16

$$\square + \square = \square$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

17

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 17 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

18

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 18 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

19

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

20

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

21

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 21 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

22

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 22 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

23

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 23 के अंक

कुल अंक



B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

24

+

=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 24 के अंक

कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग